Title: Regarding atrocities against dalits and women in Bihar.

श्री कीर्ति झा आज़ाद : अध्यक्ष महोदय, बिहार में प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं हैâ€¦ (व्यवधान)ये लोग आपके सामने किसान की बात करते हैं। बिहार में किसान को न ट्यूबवैल, न बिजली, न बीज और न खाद मिल रहा है और ये लोग किसानों की बात कर रहे हैं। जो लोग बाढ़ से तबाह हुये और सरकार से मदद मांगने आये, उन्हें पुलिस प्रशासन ने गोलियां चलाकर भून दिया। वहां की महिलाओं के साथ अत्याचार हुआ है। पिछड़े वर्ग के लोग मारे जा रहे हैं। अभी दो दिन पहले बाढ़ में जातीय हिंसा में पांच लोग मारे गये। पिछले वर्ा कुछ लोगों को गोलियां से भून दिया गया। नये डी.जी.पी. आये तो उन्होंने कहा कि क्राइम को खत्म करने की उनकी प्राथमिकता रहेगी लेकिन खेद की बात है कि पिछले पांच दिनों में 23 हत्यायें हो चुकी हैं। बिहार में जो लोग इस तरह का अन्याय और अत्याचार करते हैं, पुलिस में बैठे हुये लोग इन्हें संरक्षण देते हैं। अभी कुछ समय पूर्व एक पत्रकार का अपहरण हुआ। इसके विरोध में पत्रकार बन्धुओं ने तीन दिन तक सड़कों पर आकर शोर मचाया और हड़ताल भी की। इस हड़ताल के फलस्वरूप वहां पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि हम 3 दिन के अंदर पत्रकार को आपके सामने ला देंगे लेकिन वह पत्रकार ढाई घंटे में ही मिल गया। पुलिस जिसे तीन दिन में नहीं कर पायी, वह ढाई घंटे में ढूंढ लिया गया। इस प्रकार वहां â€¦ (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Sir, it may be that in some States important events and serious events of law and order are happening. Should they be discussed everyday in this House? This House is becoming an Assembly of different States. How can it be allowed? Everyday it is being raised. Everyday State matters and State law and order matters are being raised.

SHRI KIRTI JHA AZAD : ...(*Interruptions*) I fail to understand what Shri Somnath Chatterjee is saying. ...(*Interruptions*) The rights of the people given under the Constitution, article 355 − rights of the minority communities and rights of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes − are being violated. ...(*Interruptions*) How can he stop anyone from speaking? ...(*Interruptions*) He knows this very well. He is a very senior Parliamentarian....(*Interruptions*) I do not know how he got the Best Parliamentarian Award which he never deserved. ...(*Interruptions*) जिस प्रकार बिहार के अंदर पिछले 11 वर्ाों में 12 से 22 हजार अल्पसंख्यक महिलाओं के बच्चों का अपहरण हुआ और वे मारे गये, बिहार सरकार इसका जवाब तो देगी। उनका क्या होगा। जिस प्रकार बिहार में फर्जी मुठभेड़ों में पुलिस द्वारा बेकसूर लोगों को मारा जाता है। यहां तक कि मिलिट्री के लोग जो अपने घर जाने के लिए बैंक से बाहर निकल रहे थे, उन्हें सरेआम गोली से मार दिया गया।â€¦ (व्यवधान)इस प्रकार से जो राक्षस राज बिहार में चल रहा है, उसमें केन्द्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए और बिहार में राट्रपति शासन लगाना चाहिए। इसके अलावा वहां दूसरा विकल्प नहीं है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं इस पर सरकार की ओर से कुछ आना चाहिए। मैंने इस पर नियम 193 के तहत डिस्कशन हेतु नोटिस दिया हुआ है। मेरा आपसे निवेदन है कि बिहार की गंभीर स्थिति पर नियम 193 के तहत डिस्कशन कराया जाए और बिहार सरकार के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, this is very bad. We oppose this....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Somnath Chatterjee, you have raised a right point. The first thing is that there are no rules about ""Zero Hour"". Secondly, I had made a statement saying that in the ""Zero Hour"", the submissions of public importance should be made. Thirdly, there should be no repetition and the same submission should not be made again and again. But with all this, I have been seeing this thing happening. When I go through the list, I find that there are only five Members whose submissions should be allowed to be made in the ""Zero Hour"" today. That way, we will be depriving the right of all those 25 or 30 hon. Members who want to raise the issues of their constituencies or States during the ""Zero Hour."" Therefore, we have always been very considerate. But if the entire House agrees, I have no objection to permit only the submissions of national importance and no submissions pertaining to the States will be permitted from tomorrow. If this is the consensus of the House, I am very happy to do it.

...(*Interruptions*)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, my appeal to you is this. We have seen that there have been some attempts sometimes to raise certain issues. I can understand that if some serious issues concerning the *dalits*, women are raised. We have always been considerate in raising such issues. We have never objected to them. But everyday law and order issues of one State or the other are being raised here. Then, where do we put a stop to that? ...(*Interruptions*)

श्री अरुण कुमार (जहानाबाद) : अध्यक्ष महोदय, बिहार का बहुत गंभीर मामला है।â€¦ (व्यवधान)इन्हें बोलने क्यों नहीं दे रहे हैं।

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : सर, बिहार में एक दिन में 23 हत्याएं हुई हैं। वहां क्या लॉ एंड ऑर्डर हैâ€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, बिहार की बहुत गंभीर स्थिति है। वहां कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं हैâ€¦ (व्यवधान)वहां फेक एनकाउंटर में बेकसूर लोगों को मारा जा रहा है और बिहार सरकार कहती है कि हमने अपराधियों को मारा है।â€¦ (व्यवधान)

श्री कीर्ति झा आज़ाद : चटर्जी साहब, आप इतने सीनियर लीडर है और आप इस तरह की बात कर रहे हैं। बिहार की स्थिति बहुत गंभीर हैâ€¦ (व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE : I would like to put it to you that we are not enhancing the prestige of Lok Sabha if we are confining ourselves to raise such matters here....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please sit down. The only remedy left to me is to take up this issue to the Leaders"" Meeting. I would take it to the Leaders"" Meeting. There, we will discuss and come to a conclusion. In the

mean time, Shri Uttamrao Dhikale to speak.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will take this issue to the Leaders"" Meeting.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मैं नेताओं की बैठक में इस विाय को डिस्कस करूंगा।

â€¦ (व्यवधान)